लिए 25,000 करोड़ रुपये का एक कोष स्थापित किया है;

(ख) यदि हां, तो इस कोष से हथकरघा उद्योग, बिजली करघा उद्योग तथा मिल उद्योग क्षेत्र में तकनीक के विकास के लिए भागीदारी का कितना-कितना अंश निर्धारित किया है; और

(ग) सरकार द्वारा इस अंश के निर्धारण हेतु क्या-क्या मानक तय किए गए हैं?

वस्त्र मंत्री (श्री काशीराम राणा): (क) और (ख) सरकार ने प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि शुरू करने का निर्णय लिया है जिसके अंतर्गत वस्त्र और पटसन उद्योग के अभिज्ञात क्षेत्रों के एकक ब्याज की पात्र दर पर नोडिए एजेंसियों से ऋण प्राप्त करने के लिए पात्र होंगे। ब्याज की दर में अंतर की राशि की प्रतिपूर्ति संबंधित नोडिए एजेंसियों को सरकार द्वारा की जाएगी। हथकरघा, विद्युतकरघा अथवा मिल क्षेत्र जैसे वस्त्र उद्योग के किसी विशेष क्षेत्र के लिए कोई अंश निर्धारित नहीं किया गया है।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

वस्त्र उद्योग के विकास एवं विस्तार हेतु योजना

301. श्री कपिल सिब्बल:
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश के वस्त्र उद्योग के विकास व विस्तार हेतु आधुनिक तकनीक का उपयोग करने हेतु कोई योजना तैयार की है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने देश में वस्त्र-उद्योगों में उपयोग करने हेतु नयी तकनीके के शोध एवं अन्वेषण हेतु कोई कार्य-योजा भी तैयार की है; और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

वस्त्र मंत्री (श्री काशी राम राणा): (क) से (ग) इस समय 8 वस्त्र अनुसंधान संघ कार्य कर रहे हैं जिनका वित्तपोषण संयुक्त रूप से भारत सरकार, राज्य सरकारों और उद्योग द्वारा किया जाता है। ये वस्त्र अनुसंधान संघ सामान्यतः अनुसंधान व विकास से संबंधित क्रियाकलाप करते है, परीक्षण सहित अनुसंधान व विकास पर आधारित सेवाएं तथा तकनीकी शिक्षा भी प्रदान करते हैं। ये नवीन कार्य भी करते हैं तथा वस्त्र प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं पर उद्योग को परामर्शी सेवाएं भी देते हैं जिनमें शामिल है — मानव संसाधन विकास, वस्त्र उद्योग के प्रौद्योगिकीय कार्य निष्पादन और लाभप्रदता में सुधार लाने के लिए वैज्ञानिकता प्रक्रिया का प्रयोग। अनुसंधान व सेवाओं का उद्देश्य लागत को कम करने के साथ-साथ फैशिकों की गुणवत्ता और टिकाऊपन में सुधार लाना, प्रदूषण को कम करना, ऊर्जा संरक्षण, अपशिष्ट का उपयोग तथा नई प्रौद्योगिक को अपनाना अथवा मौजूदा प्रौद्योगिकी में सुधार लाना है। सरकार ने वस्त्र उन्नयन निधि योजना की स्थापना का अनुमोदन किया है। जिस के अन्तर्गत पात्र वस्त्र तथा पटसन इकाइयों को ब्याज की लागू दर पर ऋण उपलब्ध होगा। इस योजना के अन्तर्गत 5% तक ब्याज का ब्याज बिन्दु का वस्त्र मंत्रालय द्वारा ऋण नोडिए एजेंसियों (आई, डी, बी आई, एस आई डी बी आई, तथा आई एफ सीआई) को प्रतिपूर्ति किया जायेगा।

सूत के उत्पादन में गिरावट

302. श्री नरेन्द्र मोहन: क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में सूत के उत्पादन में गिरावट आई है;

(ख) देश से हर वर्ष कितने रुपयों का सूत निर्यात किया जाता है;

(ग) क्या सूत के इस निर्यात में भारत विदेशों से प्रतिद्वंद्विता में उलझ पा रहा है अथवा उसके समक्ष कोई नयी समस्याएं आयी हैं; और

(घ) देश में सूत वाली वर्तमान मिलों की आर्थिक और प्रौद्योगिकीय स्थिति क्या है?

वस्त्र मंत्री (श्री काशीराम राणा): (क) जी नहीं सूती यार्न के उत्पादन आंकड़े विगत पांच वर्षों के निम्नानुसार हैं:—

वर्ष	(मिलियन कि०ग्रा० में) उत्पादन
1994-95	1695
1995-96	1894
1996-97	2148
1997-98	2213
1998-99(क)	2045